RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति
लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 310
दि. 14.03.2026, शनिवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

'विकास की जमीन भी तैयार करता है बुलडोजर', लखनऊ में ग्रीन कॉरिडोर के उद्घाटन पर बोले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

(जीएनएस)।

लखनऊ। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को राजधानी में 1,519 करोड़ से तैयार ग्रीन कॉरिडोर योजना के दूसरे चरण का लोकार्पण और तीसरे व चौथे चरण का शिलान्यास किया। झूलेलाल वाटिका में आयोजित जनसभा में रक्षामंत्री ने बुलडोजर का मायने समझाते हुए कहा, मुख्यमंत्री योगी की ख्याति बुलडोजर बाबा की है। यूपी का बुलडोजर केवल माफियाओं व गुंडों को सबक सिखाने के लिए अवैध कब्जों को ही नहीं तोड़ता, बल्कि विकास की नई जमीन भी तैयार करता है, महत्वाकांक्षी ग्रीन कॉरिडोर योजना इसका प्रमाण है।

रक्षामंत्री बोले, लखनऊ की तहजीब की चर्चा दुनिया में होती रही है लेकिन, अब यहां के विकास की देश-दुनिया प्रशंसा कर रही है। अच्छा व रहने लायक शहर बनाने के लिए लखनऊ में सुविधाएं अचानक नहीं बढ़ीं, निरंतर विकास होने से अभूतपूर्व प्रगति हुई है। अक्टूबर 2025 में यूनेस्को की ओर से लखनऊ को मिले प्रतिष्ठित प्रमाणपत्र क्रिएटिव सिटी आफ गैस्ट्रोनामी का उल्लेख करते हुए कहा, यहां के खानपान की भी अब दुनिया दीवानी हो गई है।

यूपी व लखनऊ की सांस्कृतिक पहचान भी बनी है। उन्होंने कहा, ऑपरेशन सिंदूर में ब्रह्मोस ने पाकिस्तान में तहलका मचा दिया था। अब आतंकी हमला कराने से पहले पड़ोसी को सोचना होगा। यदि पाकिस्तान ने फिर हिमाकत किया तो ऐसा जवाब मिलेगा कि वह उबर नहीं पाएगा। रक्षामंत्री ने कहा, लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे का लोकार्पण इसी माह के अंत तक होगा या फिर अप्रैल के पहले सप्ताह में आवागमन शुरू हो जाएगा। शहर के आसपास भी कई मार्ग तैयार किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, किसी भी राज्य की राजधानी ऐसी होनी चाहिए जहां नागरिकों का जीवन सुगम हो और वे आसानी से अपने गंतव्य तक पहुंच सकें। इसी उद्देश्य से लखनऊ में आधुनिक कनेक्टिविटी और इंफ्रास्ट्रक्चर को तेजी से विकसित किया जा रहा है।

उन्होंने कहा, जब लखनऊ की कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने का विचार सामने आया, तब रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इसका विजन प्रस्तुत किया। उसी विजन को आगे बढ़ाते हुए लखनऊ डेवलपमेंट अथारिटी ने इस योजना को मूर्त रूप दिया। उन्होंने कहा कि ग्रीन कॉरिडोर के लिए पैसा नहीं कब्जा युक्त जमीन दिया था। यह पहल राजधानी लखनऊ में यातायात व्यवस्था को और अधिक सुगम, व्यवस्थित व आधुनिक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

असम में कांग्रेस पर भड़के पीएम मोदी, दी पंडित नेहरू से सीखने की नसीहत

(जीएनएस)।

असम में कुछ ही दिनों में विधानसभा चुनाव हैं। इससे पहले पीएम मोदी ने प्रदेश को कई बड़ी सौगात दी है। शुक्रवार (13 मार्च) को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुवाहाटी में कई योजनाओं का शिलान्यास किया और कांग्रेस पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि केंद्र की बीजेपी-नेतृत्व वाली एनडीए सरकार किसानों को मजबूत बनाने और देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में लगातार काम कर रही है।

उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि संकट के समय भी कांग्रेस देश में भ्रम और गलत जानकारी फैलाने में लगी रहती है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जब देश विकास और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब विपक्ष को भी सकारात्मक भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कांग्रेस के नेताओं से अपील करते हुए कहा कि वे देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के 15 अगस्त के भाषण को सुनें, जिससे उन्हें कुछ सीखने को मिल सकता है।

'नेहरू से सीखें विपक्षी दल'

उन्होंने कहा कि पंडित नेहरू ने अपने एक भाषण में कहा था कि दक्षिण और उत्तर कोरिया के बीच युद्ध का असर भारत में महंगाई पर पड़ रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि इतिहास से सीख लेकर देश को आगे बढ़ाने की जरूरत है। पीएम ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि संकट के दौर में भी देश की सबसे पुरानी पार्टी सिर्फ भ्रम फैलाने में जुटी है।

विकास-मॉडल

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में असम के विकास का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि आज असम नॉर्थ-ईस्ट के नए भविष्य का मॉडल बनता जा रहा है। उन्होंने नॉर्थ-ईस्ट को 'अष्टलक्ष्मी' बताते हुए कहा कि यहां हो रहा विकास पूरे क्षेत्र को नई गति दे रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि असम में हो रहे विकास कार्यों का सकारात्मक असर पूरे उत्तर-पूर्वी क्षेत्र पर दिखाई दे रहा है और इससे क्षेत्र की आर्थिक और सामाजिक प्रगति को नई दिशा मिल रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने देश के रेलवे नेटवर्क में हुए बदलावों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि रेलवे को विदेशी संसाधनों पर निर्भरता से मुक्त करने और तेल आयात को कम करने के लिए पिछले एक दशक में बड़े कदम उठाए गए हैं उन्होंने बताया कि पिछले 10 वर्षों में देश का पूरा रेलवे नेटवर्क इलेक्ट्रिफाई किया गया है।

डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार का दावा, '14-15 विधायक हमारे संपर्क में, ऑपरेशन लोटस होगा फेल'

(जीएनएस)।

कर्नाटक की राजनीति में एक बार फिर 'ऑपरेशन लोटस' को लेकर बयानबाजी तेज हो गई है। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने दावा किया कि 14-15 विधायक उनके संपर्क में हैं। डिप्टी सीएम ने कहा कि विधायकों को बहुत तरह के प्रलोभन दिए जा रहे हैं, लेकिन वे सभी अपने फैसले पर मजबूती से कायम हैं। राज्यसभा चुनाव से पहले कांग्रेस पार्टी को एक बार फिर अपने विधायकों के क्रॉस वोटिंग का डर सताने लगा है।

डीके शिवकुमार ने कहा कि इन विधायकों को धमकियां दी जा रही हैं और उन्हें विभिन्न प्रकार के लालच भी दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे हालात में सरकार की जिम्मेदारी है कि इन विधायकों को पूरी सुरक्षा दी जाए।डिप्टी सीएम ने कहा कि सरकार उनकी सुरक्षा और देखभाल कर रही है, ताकि वे बिना किसी दबाव के अपना निर्णय ले सकें। उन्होंने स्पष्ट किया कि इन विधायकों में से कोई भी

'ऑपरेशन लोटस' का हिस्सा बनने की इच्छा नहीं रखता।

राज्यसभा चुनाव से पहले कांग्रेस जुटी विधायकों को बचाने में

राज्यसभा चुनाव से पहले ऑपरेशन लोटस फिर से चर्चा में है। इससे पहले हिमाचल प्रदेश में क्रॉस वोटिंग की वजह से कांग्रेस कैंडिडेट अभिषेक मनु सिंघवी को हार मिली थी। डीके शिवकुमार ने यह भी कहा कि सभी विधायक राज्यसभा चुनाव के लिए स्वतंत्र उम्मीदवार को वोट देंगे। उनके अनुसार इस उम्मीदवार को कम्युनिस्ट पार्टी, बीजेडी और कांग्रेस का समर्थन प्राप्त है।

उन्होंने कहा कि विधायक पूरी तरह अपने फैसले पर अडिग हैं और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत मतदान करेंगे। शिवकुमार ने यह भी संकेत दिया कि विपक्ष की ओर से विधायकों को प्रभावित करने की कोशिश की जा रही है, लेकिन वे अपने रुख से पीछे नहीं हटेंगे।

कर्नाटक की राजनीति में 'ऑपरेशन लोटस' शब्द का इस्तेमाल उस कथित रणनीति के लिए किया जाता है, जिसमें विपक्षी दलों के विधायकों को तोड़कर सरकार बनाने या गिराने की कोशिश के आरोप लगाए जाते रहे हैं। डीके शिवकुमार के ताजा बयान के बाद राज्य की राजनीति में एक बार फिर इस मुद्दे को लेकर चर्चा तेज हो गई है। हालांकि विपक्ष की ओर से इन आरोपों पर अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

यूपी सरकार के बेड़े में शामिल हुआ नया अगस्ता वेस्टलैंड हेलीकॉप्टर, सीएम योगी ने भरी पहली उड़ान

लखनऊ/अयोध्याः उत्तर प्रदेश सरकार के वीवीआईपी बेड़े में नया हेलीकॉप्टर शामिल हो गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनथ ने आज पहली बार नए अगस्ता वेस्टलैंड चॉपर से उड़ान भरी। पहली उड़ान में अयोध्या पहुंचे सीएम योगी, नए हेलीकॉप्टर के शामिल होने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सबसे पहले इसी चॉपर से अयोध्या पहुंचे। यह हेलीकॉप्टर वीवीआईपी यात्रा और सरकारी कार्यक्रमों के लिए इस्तेमाल किया जाएगा।

आधुनिक सुविधाओं से लैस है हेलीकॉप्टर

सरकारी बेड़े में शामिल यह ॲ४२३ह्री२३ 'ल्र्ला का हेलीकॉप्टर आधुनिक तकनीक और सुरक्षा सुविधाओं से लैस है। इससे मुख्यमंत्री और अन्य वीवीआईपी की यात्रा अधिक सुरक्षित और तेज हो सकेगी।

सरकारी बेड़े की ताकत बढ़ी

नए हेलीकॉप्टर के शामिल होने से उत्तर प्रदेश सरकार के विमानन बेड़े की क्षमता बढ़ गई है। इससे प्रशासनिक और आपातकालीन कार्यों में भी तेजी आएगी।

डिवोर्स की खबरों के बीच थलापति विजय को हुआ सैकोड़ों करोड़ का नुकसान, अधर में लटके 500 करोड़ रुपये!

(जीएनएस)।

सुपरस्टार विजय इन दिनों अपनी पर्सनल प्रॉब्लम की वजह से चर्चा में हैं। हाल ही में उनके डिवोर्स की खबरें सामने आईं। इसके बाद उनकी लंबे समय से रिलीज के लिए अटकी फिल्म Jana Nayagan को लेकर अब एक बड़ी खबर सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म के लिए की गई ओटीटी डील अब रद्द हो गई है। बताया जा रहा है कि Amazon Prime Video ने इस प्रोजेक्ट के डिजिटल राइट्स से पीछे हटने का फैसला किया है।

रिलीज में देरी से बढ़ीं मुश्किलें

'जन नायगन' को विजय के अभिनय करियर की आखिरी फिल्म मानी जा रही है। शुरूआत में इसे 9 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज करने की प्लानिंग थी। लेकिन सेंसर बोर्ड और लीगल प्रोसेडिंग के कारण फिल्म तय समय पर रिलीज नहीं हो सकी। दो महीने से अधिक समय बीत जाने के बाद भी फिल्म की नई रिलीज डेट सामने नहीं आई है। इस देरी के कारण मेकर्स पहले से ही आर्थिक दबाव का सामना कर रहे हैं।

120 करोड़ की ओटीटी डील पर पड़ा असर

बताया जाता है कि पिछले साल प्राइम वीडियो ने फिल्म के डिजिटल स्ट्रीमिंग अधिकार लगभग 120 करोड़ रुपये में खरीदे थे। लेकिन रिलीज में लगातार हो रही देरी के चलते मेकर्स और स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म के बीच मतभेद बढ़ने लगे।रिपोर्ट्स के अनुसार, रिलीज में डिले होने के चलते प्राइम वीडियो ने प्रोडक्शन कंपनी KVN Productians के साथ की गई डील खत्म करने का निर्णय लिया। हालांकि, इस संबंध में निमार्ताओं या प्लेटफॉर्म की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं हुआ है।

सेंसर प्रक्रिया भी बनी देरी की वजह

फिल्म से जुड़े लोगों को उम्मीद थी कि Madas High Court के फैसले के बाद प्रोजेक्ट को आगे बढ़ने की मंजूरी मिल जाएगी। 9 मार्च को सेंसर बोर्ड की रिवाइजिंग कमेटी द्वारा फिल्म का रिव्यू दोबारा होना था, लेकिन एक सदस्य की तबीयत खराब होने के कारण यह प्रक्रिया टल गई। इस कारण फिल्म की रिलीज को लेकर असमंजस की स्थिति और बढ़ गई।

500 करोड़ के बजट की फिल्म पर मंडराया संकट

'जन नायगन' लगभग 500 करोड़ रुपये के भारी बजट में बनाई गई है। नवंबर 2025 तक फिल्म ने अपने नॉन-थिएट्रिकल राइट्स के जरिए करीब 390 करोड़ रुपये की कमाई कर ली थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, तमिलनाडु के थिएट्रिकल राइट्स लगभग 100 करोड़ और ओवरसीज राइट्स करीब 80 करोड़ रुपये में बिके थे। वहीं ळ-रीश्चर ने म्यूजिक राइट्स लगभग 35 करोड़ रुपये में और र४ल्ल ळश ने सैटेलाइट राइट्स करीब 55 करोड़ रुपये में खरीदे थे।

फिल्म के भविष्य को लेकर असमंजस

मौजूदा परिस्थितियों में यह भी कहा जा रहा है कि ओटीटी डील रद्द होने के बाद कुछ अन्य पार्टनर भी इस प्रोजेक्ट से दूरी बनाने लगे हैं। इन सब घटनाक्रमों के बीच अब फिल्म की रिलीज और भविष्य को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है।

25 साल के भारतीय खिलाड़ी का निधन, मैदान पर ही थम गई सांसें, शोक की लहर

भारतीय फुटबॉल जगत गहरे सदमे और शोक में है। नामधारी एफसी के प्रतिभाशाली और युवा डिफेंडर रविंदर सिंह का महज 25 वर्ष की आयु में आकस्मिक निधन हो गया है। पंजाब में एक मैच के दौरान अचानक सीने में दर्द

की शिकायत के बाद वे मैदान पर ही गिर पड़े थे। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मैदान पर अचानक हुआ हादसा

शुरूआती रिपोर्ट्स के अनुसार रविंदर सिंह पंजाब में एक फुटबॉल मैच खेल रहे थे। तभी उन्होंने सीने में तेज दर्द महसूस किया और वह अचानक मैदान पर गिर पड़े।

मिडिल ईस्ट में चल रहे संघर्ष के बीच ईरान के राजदूत मोहम्मद फतहाली बोले, 'भारत और ईरान के हित और दर्द दोनों एक जैसे'

(जीएनएस)।

मिडिल ईस्ट में चल रहे संघर्ष के बीच ईरान बार-बार भारत से अपने मजबूत रिश्तों की दुहाई दे रहा है। नई दिल्ली में ईरान के राजदूत मोहम्मद फतहाली (टठ्ठूँ ऋ्ब्र्रँ') ने भारत और ईरान के बीच सहयोग को और मजबूत करने पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच साझा हित और विश्वास मौजूद हैं। इसके आधार पर द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाया जा रहा है।

राजदूत मोहम्मद फतहाली ने कहा कि भारत और ईरान कई मुद्दों पर समान दृष्टिकोण रखते हैं। क्षेत्रीय स्तर पर भी दोनों देशों के हित जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि जब एक देश कठिनाई में होता है तो दूसरा देश उसकी मदद करता है और यही साझेदारी की असली भावना है।

दोनों देशों को बताया मजबूत साझेदार

उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने कई मौकों पर ईरान का समर्थन किया है और इसी तरह ईरान भी भारत के साथ सहयोग बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। उनके अनुसार, दोनों देशों के बीच संबंध केवल कूटनीतिक स्तर तक सीमित नहीं हैं,

बल्कि ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आर्थिक संबंधों से भी जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि इस मुश्किल हालात में दोनों देशों के बीच आपसी विश्वास मजबूत होना चाहिए।

'स्थिरता के लिए मजबूत रिश्ते जरूरी'

ईरानी राजदूत ने कहा कि क्षेत्र में स्थिरता और विकास के लिए भारत और ईरान का सहयोग महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि ईरान के वरिष्ठ अधिकारियों ने भारत स्थित ईरानी दूतावास को स्पष्ट निर्देश दिए हैं। दोनों देशों की सरकारों के बीच सहयोग को और मजबूत करने के लिए सक्रिय रूप से काम किया जाए।

फतहाली के अनुसार, दूतावास का मुख्य उद्देश्य भारत और ईरान के बीच विभिन्न क्षेत्रों में साझेदारी को बढ़ावा देना है। इसमें व्यापार, निवेश, ऊर्जा, कनेक्टिविटी और क्षेत्रीय सहयोग जैसे कई अहम क्षेत्र शामिल हैं।

भविष्य में भी मजबूत रहेंगे भारत-ईरान के रिश्ते

उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच संबंध लंबे समय से मजबूत रहे हैं और भविष्य में इन्हें और मजबूत बनाने के लिए कई पहल की जा रही हैं। ईरान और भारत के बीच बढ़ता सहयोग क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

राजदूत ने यह भी कहा कि दोनों देशों के बीच आपसी विश्वास और साझा हितों के आधार पर सहयोग को आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले समय में भारत-ईरान संबंध और अधिक मजबूत होंगे और दोनों देश मिलकर क्षेत्रीय विकास और स्थिरता में योगदान देंगे।

विदेश जाने और लाखों रुपए कमाने का युवाओं के लिए मौका, जानिए धामी सरकार की इस कमाल की योजना के बारे में

(जीएनएस)।

विदेशी भाषाएं सीखकर विभिन्न देशों में नौकरी करने के इच्छुक छात्र-छात्राओं को सरकार ने बड़ा तोहफा दिया है। सरकार ने अल्मोड़ा में लैंग्वेज ट्रेनिंग सेंटर खोलने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री कौशल उन्नयन एवं वैश्विक रोजगार योजना के अंतर्गत वर्तमान में सिर्फ एक सेंटर है।

यह सेंटर वर्ष 2023 से देहरादून में संचालित है। अल्मोड़ा में सेंटर खुलने के बाद इस तरह के सेंटरों की प्रदेश में संख्या दो हो जाएगी। राज्य सरकार ने वर्ष 2023 से मुख्यमंत्री कौशल उन्यन एवं वैश्विक रोजगार योजना को शुरू किया है।

इसके अंतर्गत देहरादून में पहला लैंग्वेज ट्रेनिंग सेंटर खोला गया है, जिसमें विभिन्न भाषाओं का बच्चों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है और यहीं से उनकी नौकरी की व्यवस्था की जा रही है। जो कि लाखों में भी कमा रहे हैं। पुष्कर सिंह धामी ने विभाग को निर्देश दिए हैं कि इन सेंटरों की संख्या बढ़ाई जाए। ताकि ज्यादा से ज्यादा बच्चों को इसका लाभ मिल सके।

शुक्रवार को विधानसभा के बजट सत्र के पांचवें दिन कौशल विकास मंत्री सौरभ बहुगुणा ने सरकार की ओर से अल्मोड़ा में लैंग्वेज ट्रेनिंग सेंटर खोलने की घोषणा की। इस योजना में ज्यादा से ज्यादा बच्चों को लाभ पहुंचाने को लेकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी काफी गंभीर है।

यही वजह है कि इस योजना में ट्रेनिंग का जो बजट सिर्फ 75 लाख रुपए का था, उसे इस बार 3.3 करोड़ रुपए कर दिया गया है। कौशल विकास मंत्री सौरभ बहुगुणा ने कहा कि मुख्यमंत्री की सकारात्मक सोच के चलते अब और ज्यादा बच्चों को ट्रेनिंग का लाभ मिल पाएगा।

147 -बच्चों को अभी तक दिया गया विदेशी भाषा का प्रशिक्षण

92- बच्चों की विभिन्न देशों में अभी तक लग चुकी है नौकरी

08-से 10 माह का बच्चों को दिया जाता है सेंटर में प्रशिक्षण

16 -अधिकृत एजेंसियों के माध्यम से दिया जा रहा है प्रशिक्षण

10-और बच्चों के लिए सऊदी अरब में है नौकरी का प्रस्ताव

सऊदी अरब में सेवारत 30 बच्चे सुरक्षित

पश्चिम एशिया में युद्ध के हालात के बीच राज्य सरकार उन लोगों की भी पूरी चिंता कर रही है, जिन्हें इस योजना के माध्यम से विदेशों में नौकरी मिली है। सदन में कौशल विकास मंत्री सौरभ बहुगुणा ने बताया कि सऊदी अरब में सेवारत लोगों से बात हुई है और वे पूरी तरह से सुरक्षित हैं।

नेशनल स्किल एंड एजुकेशन समिट का आयोजन, बढ़ेगी युवा शक्ति

उत्तर प्रदेश सरकार ने लखनऊ में नेशनल स्किल एंड एजुकेशन समिट का आयोजन किया. इस दौरान सीएम योगी के सलाहकार अवनीश अवस्थी ने कौशल विकास केंद्रों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर जोर दिया.

(एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश में युवाओं को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करने और उन्हें उद्योगों की जरूरतों के अनुरूप कौशल प्रदान करने की दिशा में योगी सरकार लगातार प्रयास कर रही है. इसी उद्देश्य से आज लखनऊ में नेशनल स्किल एंड एजुकेशन समिट का आयोजन किया गया. इसमें सरकार, उद्योग, बैंकिंग, शिक्षण संस्थानों और कौशल विकास से जुड़े विशेषज्ञों ने भाग लिया. समिट में भविष्य की जरूरतों के मुताबिक कार्यबल को तैयार करने पर विचार-विमर्श किया.

उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन की ओर से नेशनल स्किल एंड एजुकेशन समिट का आयोजन किया गया. इस अवसर पर समिट में विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार युवाओं को आधुनिक और रोजगारपरक कौशल प्रदान करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है.

मजबूत निगरानी व्यवस्था विकसित करना आवश्यक- अवनीश अवस्थी

उन्होंने कहा कि कौशल विकास केंद्रों की गुणवत्ता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए मजबूत निगरानी व्यवस्था विकसित करना आवश्यक है. इसके लिए प्रत्येक मंडल में सेवानिवृत्त आईएएस, आईपीएस और पीसीएस अधिकारियों, उद्योग विशेषज्ञों तथा बैंकरों की एक समिति गठित करने का सुझाव दिया गया, जो प्रशिक्षण केंद्रों का निरीक्षण कर गुणवत्ता सुनिश्चित करेगी.

उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ अपने सिंगापुर और जापान दौरे का उल्लेख करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ने अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भी उत्तर प्रदेश की युवा शक्ति और कौशल विकास की संभावनाओं को प्रमुखता से रखा है. साथ ही उन्होंने सभी कौशल केंद्रों की जानकारी, पाठ्यक्रम, छात्रों की संख्या, प्रमाणपत्र और रोजगार की संभावनाओं से संबंधित विवरण वेबसाइट पर उपलब्ध कराने की सलाह भी दी.

केवल ज्ञान देना पर्याप्त नहीं है- प्रमुख सचिव

समिट के दौरान प्रमुख सचिव डॉ. हरिओम ने कहा कि शिक्षा और कौशल विकास को एक साथ जोड़ना समय की आवश्यकता है. उन्होंने कहा कि केवल ज्ञान देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसे व्यवहार में लागू करने की क्षमता विकसित करना भी जरूरी है.

कौशल विकास मिशन के निदेशक पुलकित खरे ने बताया कि प्रदेश में 14 से 35 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं को राज्य कौशल योजना, दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना और प्रोजेक्ट प्रवीण के तहत प्रशिक्षण दिया जा रहा है. उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण भागीदारों के लिए ग्रेडिंग प्रणाली लागू की गई है और एक डिजिटल लर्निंग पोर्टल भी विकसित किया गया है, जहां युवाओं को मुफ्त ऑनलाइन पाठ्यक्रम और प्रमाणपत्र उपलब्ध कराए जा रहे हैं. प्रदेश में 30 से अधिक क्षेत्रों और लगभग 500 जॉब रोल में प्रशिक्षण की सुविधा उपलब्ध है.

कार्यक्रम में हुआ डिजिटल लर्निंग पत्रिका के नए संस्करण का विमोचन

समिट के दौरान उद्योग, शिक्षा और बैंकिंग क्षेत्र के प्रतिनिधियों ने भी कौशल विकास, रोजगार सृजन और नवाचार के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया. कार्यक्रम में डिजिटल लर्निंग पत्रिका के नए संस्करण का विमोचन भी किया गया.

मेंस्ट्रुअल लीव पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी से देश में नई बहस, क्या कानून बनने से महिलाओं के रोजगार पर पड़ेगा असर

(एजेंसी)।

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार, 13 मार्च को वर्कप्लेस पर मेंस्ट्रुअल लीव यानि पीरियड लीव को अनिवार्य बनाने की मांग पर सुनवाई करते हुए अहम टिप्पणी की। अदालत ने कहा कि अगर कानून के जरिए मासिक धर्म के दौरान छुट्टी को अनिवार्य बना दिया गया, तो इसका उल्टा असर पड़ सकता है और कंपनियां महिलाओं को नौकरी देने से कतराने लगेंगी।

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर कर देशभर में महिला कर्मचारियों और छात्राओं के लिए मासिक धर्म के दौरान छुट्टी की व्यवस्था लागू करने की मांग की गई थी। हालांकि, शीर्ष अदालत ने इस याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा?

यह मामला भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ के सामने आया। सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि यदि कंपनियां स्वेच्छा से पीरियड लीव देती हैं तो यह एक अच्छी पहल होगी, लेकिन इसे कानून बनाकर अनिवार्य करना महिलाओं के लिए नुकसानदेह हो सकता है।

मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि जैसे ही इसे कानून के जरिए अनिवार्य किया जाएगा, कई नियोक्ता महिलाओं को नौकरी देने से बचने लगेंगे। अदालत ने कहा, अगर इसे कानून के रूप में अनिवार्य कर दिया गया तो लोग महिलाओं को नौकरी देने से बचेंगे। यहां तक कि न्यायपालिका या सरकारी नौकरियों में भी उन्हें लेने से हिचकिचाहट हो सकती है और उनके करियर पर असर पड़ेगा।

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि ऐसी मांगों से यह संदेश जा सकता है कि मासिक धर्म महिलाओं के लिए कोई कमजोरी या समस्या है, जबकि यह एक प्राकृतिक प्रक्रिया है। मुख्य न्यायाधीश ने टिप्पणी की कि कई बार इस तरह की याचिकाएं अनजाने में महिलाओं को कमजोर या कम सक्षम दिखाने का कारण बन सकती हैं।

सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई के मुख्य बिंदु

नौकरी के कम अवसरः उखक ने

कहा, जिस समय आप कानून में इसे अनिवार्य कर देंगे, कोई भी उन्हें नौकरी नहीं देगा। न्यायपालिका या सरकारी नौकरियों में भी उन्हें लेने से बचा जाएगा। उनका करियर खत्म हो जाएगा कंपनियां कहेंगी कि आप सबको बताकर घर पर ही बैठें।

मानसिकता पर प्रभावः अदालत ने यह भी कहा कि ऐसी कानूनी मांगें महिलाओं को कमजोर या हीन दिखाने का डर पैदा करती हैं, जैसे कि मासिक धर्म उनके साथ कुछ बुरा हो रहा हो।

नियोक्ताओं का पक्षः पीठ ने याचिकाकर्ता से नियोक्ताओं के दृष्टिकोण से भी सोचने को कहा कि उन पर और अधिक PÔid LeÔves का बोझ डालने का क्या परिणाम होगा।

कानून बनाने के लिए सरकार को निर्देश

सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में सीधे हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया, लेकिन याचिकाकर्ता शैलेंद्र मणि त्रिपाठी को सुझाव दिया कि वे संबंधित अधिकारियों के पास अपनी बात रखें। अदालत ने कहा कि कंपीटेंट अथॉरिटी से सलाह करने के बाद पीरियड लीव पर कानून बनाने पर विचार कर सकते हैं।

हालांकि अदालत ने यह भी कहा कि अगर निजी कंपनियां या संस्थान अपनी इच्छा से महिलाओं के लिए पीरियड लीव की सुविधा देना चाहते हैं, तो यह एक सकारात्मक कदम हो सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने सुझाव दिया कि संबंधित लोग सभी पक्षों से विचार-विमर्श करके इस विषय पर नीति बनाने की संभावना पर विचार कर सकते हैं।

याचिका में क्या मांग की गई थी

यह याचिका शैलेंद्र मणि त्रिपाठी की ओर से दायर की गई थी। इसमें कहा गया था कि देशभर में छात्राओं और कामकाजी महिलाओं के लिए मासिक धर्म के दौरान छुट्टी की नीति लागू की जानी चाहिए। याचिका में यह भी बताया गया कि कुछ राज्यों और संस्थानों ने पहले से ही इस दिशा में कदम उठाए हैं। उदाहरण के तौर पर केरल में स्कूलों में कुछ छूट दी गई है, जबकि कई निजी कंपनियां भी अपनी महिला कर्मचारियों को पीरियड लीव देती हैं।

पहले भी उठ चुका है यह मुद्दा

दरअसल, पीरियड लीव को लेकर देश में काफी समय से बहस चल रही है। समर्थकों का कहना है कि मासिक धर्म के दौरान कई महिलाओं को शारीरिक तकलीफ होती है, इसलिए उन्हें आराम के लिए अलग छुट्टी मिलनी चाहिए। वहीं आलोचकों का तर्क है कि अगर इसे अनिवार्य किया गया तो इससे कार्यस्थल पर महिलाओं के खिलाफ भेदभाव बढ़ सकता है और नियोक्ता पुरुष कर्मचारियों को प्राथमिकता देने लगेंगे।

सुप्रीम कोर्ट इससे पहले वर्ष 2024 में भी इस मुद्दे पर चिंता जता चुका है। तब भी अदालत ने कहा था कि पीरियड लीव को अनिवार्य बनाने से महिलाओं के रोजगार और करियर पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। फिलहाल अदालत ने याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया है, लेकिन यह बहस अब भी जारी है कि महिलाओं के स्वास्थ्य और कार्यस्थल पर समान अवसरों के बीच संतुलन कैसे बनाया जाए।

'पिकैक्स माउंटेन' क्या है? जहां ईरान बना रहा है परमाणु बम, क्यों सुपरपावर अमेरिका भी इसका कुछ नहीं बिगाड़ सकता?

(एजेंसी)।

मध्य-पूर्व में ईरान और इजराइल के बीच छिड़ा संघर्ष अब परमाणु युद्ध की आहट दे रहा है। 14 दिनों से जारी इस जंग में अमेरिका की सीधी एंट्री की संभावना बढ़ गई है। इजराइल द्वारा ईरान के सैन्य ठिकानों पर बमबारी के बाद अब सबकी नजरें ईरान के गुप्त परमाणु ठिकानों पर हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने स्पष्ट कर दिया है कि उनकी प्राथमिकता ईरान को परमाणु बम बनाने से रोकना है। इसके लिए ब्रिटेन के एयरबेस पर घातक बमवर्षक विमान तैनात किए जा चुके हैं, जो किसी भी समय ईरान के गहरे बंकरों को निशाना बना सकते हैं।

ईरान का अभेद्य किला

ईरान ने अपने परमाणु कार्यक्रम को बचाने के लिए जाग्रोस की पहाड़ियों में 'पिकैक्स माउंटेन' नाम का एक बेहद गहरा ठिकाना बनाया है। इसे स्थानीय भाषा में 'कुह-ए कोलांग गाज ला' भी कहा जाता है। अमेरिकी खुफिया रिपोर्टों के अनुसार, ईरान ने अपना 900 पाउंड से अधिक संवर्धित यूरेनियम यहीं छिपाया है। यह जगह ग्रेनाइट के पहाड़ों के नीचे इतनी गहराई में है कि इसे साधारण मिसाइलों से तबाह करना लगभग नामुमकिन माना जाता है। यहां

लगातार वैज्ञानिक और मशीनें काम कर रही हैं।

नतान्ज के पास बना रहस्यमयी बंकर

यह गुप्त ठिकाना ईरान के मुख्य नतान्ज परमाणु केंद्र से महज 1.6 किलोमीटर दूर स्थित है। जानकारों का मानना है कि यह बंकर जमीन से लगभग 330 फीट (100 मीटर) नीचे बना है, जो ईरान के पुराने 'फोर्डो' प्लांट से भी कहीं अधिक गहरा और सुरक्षित है। इतनी अधिक गहराई और ठोस चट्टानों के कारण पारंपरिक बम इसके ऊपरी हिस्से को भी नुकसान नहीं पहुंचा सकते। इस ठिकाने को निष्क्रिय करने के लिए विशेषज्ञों का मानना है कि केवल जमीनी सेना की कार्रवाई ही कारगर हो सकती है।

ब्रिटेन में अमेरिकी बमवर्षकों की तैनाती

ईरान के इन गहरे ठिकानों को धस्त करने के लिए अमेरिका ने अपनी रणनीति बदल दी है। ब्रिटेन के आरएएफ फेयरफोर्ड एयरबेस पर तीन घातक B-1B लांसर बमवर्षक विमान तैनात किए गए हैं। ये विमान भारी मात्रा में बम ले जाने और लंबी दूरी तक हमला करने में माहिर हैं। अमेरिका की योजना है कि अगर ईरान परमाणु सीमा लांघता है, तो इन्हीं विमानों के जरिए उसके सबसे सुरक्षित ठिकानों पर निर्णायक प्रहार किया जाएगा ताकि ईरान की परमाणु क्षमता पूरी तरह खत्म हो सके।

यूरेनियम भंडार और परमाणु खतरा

अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (IAEA) और अमेरिकी अधिकारियों के लिए सबसे बड़ी चिंता ईरान के पास मौजूद 60 प्रतिशत तक संवर्धित यूरेनियम है। लगभग 900 पाउंड की यह मात्रा कई परमाणु बम बनाने के लिए काफी है। हालांकि ट्रंप प्रशासन ने पहले दावा किया था कि यह कार्यक्रम कमजोर हो गया है, लेकिन ईरान ने इसे फिर से तेजी से सक्रिय कर लिया है। जब तक 'पिकैक्स माउंटेन' जैसे ठिकानों को खत्म नहीं किया जाता, तब तक ईरान के परमाणु खतरे को रोकना मुश्किल होगा।

'तू लाख बेवफा है ', कौन हैं टीएमसी सांसद सयानी घोष जिनकी स्पीच ने इंटरनेट पर काटा गदर? लोग दे रहे प्रतिक्रिया

(एजेंसी)।

संसद का बजट सत्र लगातार हंगामे की भेंट चढ़ रहा है, तो वहीं इसी बीच कुछ दिलचस्प बयान और स्पीच लोगों के बीच सुर्खियां भी बन रहे हैं, ऐसा ही एक भाषण इस वक्त सोशल मीडिया पर गदर काट रहा है, जिस पर लोग जबरदस्त ढंग से प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

वो भाषण है ळटउ सांसद सायानी घोष का जो कि उन्होंने एक दिन पहले लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के संदर्भ में दिया था। उन्होंने अपने चुटकीले और शायराना अंदाज से सरकार पर जमकर तंज कसा जो कि वायरल हो गया।

टीएमसी सांसद सयानी घोष ने बुधवार को संसद में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ प्रस्ताव पर चर्चा में कहा कि 'उन्हें खेद है कि उन्हें स्पीकर के खिलाफ प्रस्ताव का समर्थन करना पड़ा, उन्होंने कहा कि मैं बस उनसे यही कहना चाहती हूं कि 'तू लाख बेवफा है सिर उठाकर चल दिल रो पड़ेगा तुझ को पशेमान देख कर।'

'ये सदन है इसे किसी पार्टी का ऑफिस ना बनाएं'

सयानी ने ना केवल अपनी स्पीच में लोकसभा स्पीकर पर तंज कसा बल्कि उन्होंने पीएम मोदी पर भी कटाक्ष किया और कहा कि 'ये सदन है, प्लीज इसे किसी पार्टी का ऑफिस

ना बनाएं।' आपको बता दें कि ये कोई पहला मौका नहीं है जब सयानी की स्पीच लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी है, इससे पहले भी वो अपने भाषणों के कारण लोगों के बीच सुर्खियां बन चुकी हैं।

'ब्यूटी विद ब्रेन' कहलाती हैं

आपको बता दें कि देखने में बेइंतहा खूबसूरत सयानी घोष को लोग 'ब्यूटी विद ब्रेन' कहते हैं। आपको बता दें कि 27 जनवरी 1993 को जन्मी सयानी बंगाली फिल्म इंडस्ट्री का बड़ा और नामी चेहरा हैं। उन्होंने अपने अभिनय करियर की शुरूआत टेलीफिल्म 'इच्छे दाना' से की थी।

'नोटोबोर नोटोआउट' फिल्म से शुरू हुआ था करियर

उन्होंने 'कानामाछी', 'अंतराल', 'एकला चलो', 'आमार शहर', 'बिटनूण', 'मायेर बिये' और 'राजकाहिनी' जैसी चर्चित फिल्मों में काम किया है। सांसद सायानी घोष ने साल 2013 और 2014 में 'जलशा मूवीज' पर 'कलकत्ता फुटबॉल लीग' के लाइव प्रसारण के दौरान सह-मेजबानी भी की थी।

जादवपुर सीट से सांसद हैं

सयानी ने 24 फरवरी 2021 को तृणमूल कांग्रेस ज्वाइन करके अपना राजनीतिक सफर शुरू किया था, 2021 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में आसनसोल दक्षिण निर्वाचन क्षेत्र से उन्हें तृणमूल कांग्रेस का उम्मीदवार घोषित किया गया लेकिनवह इखढ की उम्मीदवार अग्निमित्रा पॉल से हार गईं थीं।

जून 2021 में वो तृणमूल कांग्रेस की युवा शाखा का अध्यक्ष बनी थीं। साल 2024 के भारतीय आम चुनाव में, उन्हें तृणमूल उम्मीदवार के तौर पर जादवपुर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ा और जीत हासिल की और संसद पहुंचीं।

'मुसलमानों से ज्यादा तो हिंदू मर्द ही', बॉलीवुड की फेमस मुस्लिम एक्ट्रेस का बड़ा बयान, धर्म पर ये क्या कहा?

(एजेंसी)।

महाकुंभ 2025 में रुद्राक्ष की माला बेचकर रातोंरात वायरल हुईं मोनालिसा इस समय अपनी शादी को लेकर लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई हैं। आम लोगों से लेकर सेलेब्स तक इस समय महाकुंभ वायरल गर्ल मोनालिसा को लेकर ही बात करते नजर आ रहे हैं।

महाकुंभ वायरल गर्ल मोनालिसा को लेकर हो रही चर्चा

आपको बता दें कि मोनालिसा की हालिया इंटरफेथ शादी के बाद धर्म और शादी को लेकर बहस फिर तेज हो गई है। इसी बीच 70 के दशक की लिजेंड्री एक्ट्रेस मुमताज ने इंटरफेथ मैरिज और पॉलिगैमी (एक से ज्यादा शादियां) पर खुलकर अपनी राय रखी है।

एक्ट्रेस मुमताज ने दिया बड़ा बयान

अपनी बेबाकी के लिए मशहूर एक्ट्रेस मुमताज ने एक यूट्यूब इंटरव्यू में धर्म, शादी और आध्यात्मिक आस्था से जुड़े कई मुद्दों पर खुलकर बात की है। उन्होंने बताया है कि मुसलमान होने के बावजूद उनकी गहरी आस्था हिंदू देवी-देवताओं में भी है।

धार्मिक आस्था के बारे में ये क्या बोल गईं मुमताज?

-इंटरव्यू में मुमताज ने अपनी धार्मिक आस्था के बारे में बात करते हुए कहा है कि उन्हें भगवान शिव और श्रीकृष्ण से विशेष लगाव है। एक्ट्रेस ने बताया कि वह बचपन से ही इन दोनों देवताओं को बेहद पसंद करती हैं और उनमें उनके प्रति गहरी श्रद्धा रखती हैं।

-मुमताज ने कहा कि उनके घर की सीढ़ियों के पास भगवान गणेश की मूर्ति रखी है और जब भी वह नीचे उतरती हैं तो सबसे पहले उनके चरणों में प्रणाम करती हैं। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा कि उन्हें हमेशा से सुंदर चीजें पसंद रही हैं और उनके मुताबिक भगवान शिव बेहद आकर्षक और

दिव्य हैं, इसलिए वह उनसे विशेष रूप से जुड़ाव महसूस करती हैं।

मुमताज ने हिंदू बिजनेसमैन से की है शादी

-आपको बता दें कि एक्ट्रेस मुमताज ने उगांडा के मशहूर बिजनेसमैन मयूर माधवानी से शादी की है जो एक हिंदू परिवार से आते हैं। इंटरफेथ मैरिज पर बोलते हुए मुमताज ने कहा कि वह दोनों धर्मों का सम्मान करती हैं। उनका मानना है कि अलग-अलग धर्मों के लोगों के बीच भी सफल और खुशहाल शादी संभव है।

-मुमताज ने बताया कि उनकी बहन ने भी एक हिंदू लड़के से शादी की है और दोनों ही अपने वैवाहिक जीवन में खुश हैं। उनके मुताबिक उनके पति उनका बहुत ख्याल रखते हैं और यही किसी भी रिश्ते की असली नींव होती है।

पॉलिगैमी पर मुमताज का तीखा सवाल

इंटरव्यू के दौरान मुमताज ने मुस्लिम समाज में पॉलिगैमी पर भी अपनी साफ राय रखी। उन्होंने कहा कि कई पुरुष तीन-चार शादियां कर लेते हैं और बाद में अपनी पत्नियों को छोड़ देते हैं। उनके मुताबिक ये बिल्कुल गलत है। मुमताज ने कहा कि वह खुद मुसलमान हैं लेकिन इसके बावजूद मानती हैं कि एक आदमी को बार-बार शादी नहीं करनी चाहिए।

'एक पत्नी को छोड़कर दूसरी से शादी करना गलत'

-मुमताज ने आगे कहा कि किसी एक पत्नी को छोड़कर दूसरी और फिर तीसरी शादी करना सही नहीं है। उनका कहना था कि इस मामले में हिंदू समाज कई बार बेहतर नजर आता है क्योंकि ज्यादातर लोग एक ही शादी निभाने की कोशिश करते हैं।

-मुमताज के मुताबिक कभी-कभी किसी वजह से दूसरी शादी हो सकती है लेकिन ये सही नहीं कि कोई व्यक्ति बार-बार शादी करे और हर बार अपने पुराने रिश्ते को छोड़ दे। मुमताज ने कहा- यही कारण है कि मुझे हिंदू मर्द ज्यादा पसंद हैं जो कि अपनी पत्नी के प्रति ईमानदार होते हैं।

अमिताभ बच्चन के ऊपर टूटा दुखों का पहाड़, करीबी का हुआ निधन, इमोशनल पोस्ट पढ़ दहल उठेगी आत्मा!

(एजेंसी)।

अमिताभ बच्चन इन दिनों गहरे शोक में हैं। उन्होंने हाल ही में अपने एक बेहद करीबी दोस्त को खोया है। जिसकी जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया और अपने ब्लॉग के जरिए शेयर की। उनकी ये इमोशनल पोस्ट सामने आते ही तेजी से वायरल हो गई और उनके फैंस ने भी संवेदना व्यक्त की।

अमिताभ बच्चन ने अपने निजी ब्लॉग पर एक मार्मिक संदेश लिखते

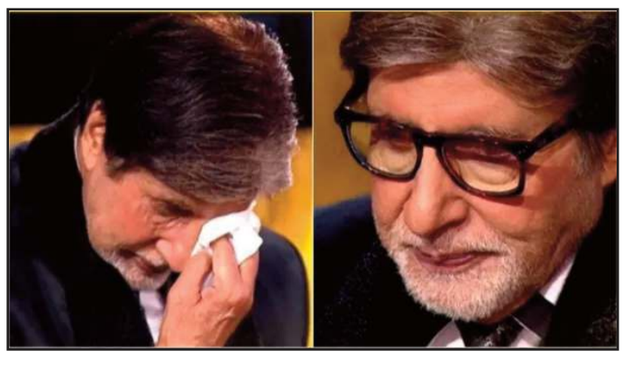

हुए दोस्त के निधन का जिक्र किया। हालांकि उन्होंने पोस्ट में उस मित्र का नाम या उनके निधन की वजह का खुलासा नहीं किया। अपने शब्दों में उन्होंने बताया कि यह व्यक्ति उनके जीवन में बेहद खास था और उसकी कमी हमेशा महसूस होगी। बिग बी ने लिखा कि उन्होंने एक ऐसे दोस्त को खो दिया है जो बेहद स्नेही, हंसमुख और हर मुश्किल परिस्थिति में मजबूत रहने वाला इंसान था।

"एक-एक कर सब हमें छोड़कर जा रहे हैं"

अपने ब्लॉग में अभिनेता ने लिखा कि उनका दोस्त हर स्थिति में पॉजिटिविटी बनाए रखता था और कठिन से कठिन हालात में भी समाधान ढूंढ लेता था। उन्होंने यह भी कहा कि उसके चेहरे पर हमेशा मुस्कान रहती थी और यह स्वीकार करना मुश्किल है कि अब वह इस दुनिया में नहीं रहा। अमिताभ बच्चन ने अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए लिखा कि समय के साथ एक-एक कर अपने प्रिय लोगों को खोना बेहद पीड़ादायक होता जा रहा है। पोस्ट के साथ उन्होंने दुख व्यक्त करने के लिए रोने वाला इमोजी भी शेयर किया।

बढ़ती उम्र में ऐसी खबरें सहना मुश्किल

अभिनेता ने यह भी लिखा कि उम्र बढ़ने के साथ इस तरह की दुखद खबरों को स्वीकार करना और भी कठिन हो जाता है। उनके शब्दों से साफ झलक रहा था कि इस क्षति ने उन्हें अंदर तक झकझोर दिया है। अमिताभ बच्चन की इस पोस्ट के सामने आने के बाद उनके फैंस और शुभचिंतकों ने सोशल मीडिया पर उन्हें ढांढस बंधाया। कई लोगों ने कमेंट के जरिए उन्हें मजबूत रहने की सलाह दी और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

हाल के समय में झेल चुके हैं कई दर्द

बीते कुछ समय में अमिताभ बच्चन ने अपने जीवन में कई करीबी लोगों को खोया है। इनमें धर्मेंद्र के साथ उनके लंबे समय से जुड़े मित्र और विज्ञापन जगत की जानी-मानी शख्सियत Piyush Pandey का नाम भी शामिल है।

भराड़ीसैंण बजट सत्र से किसानों के लिए आई खुशखबरी, फसल बचाने को केंद्र से मिले 25 करोड़, जानिए किसको होगा फायदा

(एजेंसी)।

उत्तराखंड के किसानों के लिए गैरसेंण के भराड़ीसैंण बजट सत्र से एक राहत देने वाली खबर सामने आई। किसानों की फसल बचाने को केंद्र से 25 करोड़ रुपए मिले हैं। घेर-बाड़ योजना में फिर से केंद्र की मदद शुरू हुई है। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने इस मसले पर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से बात की थी।

केंद्र से मदद मिलनी बंद होने पर जिला योजना से प्रदेश काम चला रहा था। इस क्रम में केंद्रीय कृषि मंत्रालय ने 25 करोड़ रुपए की सहायता उत्तराखंड के लिए मंजूर की है। बजट

सत्र में कृषि मंत्री गणेश जोशी ने घेर बाड़ योजना के लिए केंद्रीय कृषि मंत्रालय से 25 करोड़ की स्वीकृति मिलने की जानकारी सदन में दी।

उन्होंने बताया कि पिछले दिनों गौचर में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के सामने सरकार ने इस विषय को रखा था। अब इस संबंध में केंद्रीय कृषि मंत्रालय के स्तर पर 25 करोड़ की स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। इस संबंध में मंत्रालय का पत्र विभाग को प्राप्त हो गया है।

जंगली जानवरों से किसानों की फसल बचाने के लिए राज्य सरकार के प्रयास रंग लाए हैं।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

नीतीश कुमार ने बेटे निशांत कुमार को राजनीति में लाकर दिया नया संदेश

नीतीश कुमार का नेतृत्व चट्टान की तरह अभेद्य रहा और भाजपा के साथ रहने का प्रतिफल है कि वह बिहार के सर्वोच्च नेता बने हुए हैं। भले ही वह मुख्यमंत्री पद छोड़ दें लेकिन बिहार पर उनकी पकड़ बनी रहने वाली है। नीतीश कुमार चले राज्यसभा की ओर, बिहार का नया मुख्यमंत्री कौन बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक बार फिर चौंकाने वाला पैसला लिया और राज्यसभा की सदस्यता के लिये अपना नामांकन दाखिल किया है। इस पैसले ने राजनीतिक हल्कों में चर्चा की पोटली खोल दी है, वुछ इसे भविष्य के लिये नया राजनीतिक दांव मान रहे हैं तो वुछ यह कह रहे हैं नीतीश कुमार ने अपने बेटे निशांत कुमार को राजनीति में लाकर नया संदेश दिया है। बिहार की सत्ता छोड़ने से पहले नीतीश कुमार समृद्धि यात्रा के अगले चरण के लिये निकल पडे हैं। नीतीश ने सुपौल को 569.36 करोड़ की योजनाओं की सौगात दी। दरअसल नीतीश कुमार पांच दिन में 10 जिलों का दौरा करेंगे जो 14 मार्च तक चलेगा। इस दौरे की जद में राज्य के सीमांचल और कोसी के इलाके रहेंगे। इस दौरान वह स्थानीय प्रशासन के साथ समीक्षा बैठवें करेंगे और जनहित की योजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन करेंगे। नेतृत्व परिवर्तन की चचाओं के बीच अब एक ही परिवार से जुड़ी दो अलग-अलग राजनीतिक यात्राओं की तैयारी की। एक तरफ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपनी 'समृद्धि यात्रा' के अंतिम चरण पर निकल पडे हैं तो दूसरी ओर उनके बेटे निशांत कुमार भी अपनी पहली राजनीतिक यात्रा शुरू करने जा रहे हैं। पूरे घटनाव्रम पर राजनीतिक दलों की प्रतिव्रियाएं भी सामने आई हैं। भारतीय जनता पाटा बिहार में जनता दल यूनाइटेड के साथ मिलकर सरकार चला रही है और उसने कहा कि निशांत कुमार की यात्रा पाटा का आंतरिक मामला है। पाटा नेताओं का कहना है कि नीतीश कुमार की यात्राएं हमेशा से जनता से सीधे जुड़ने का एक प्रभावी तरीका रही हैं। विपक्षी राष्ट्रीय जनता दल की अलग सोच है। पाटा का कहना है कि नीतीश कुमार की यात्रा का मकसद यह दिखाना है कि मुख्यमंत्री पद छोड़ने का पैसला उन्होंने अपनी इच्छा से लिया है न कि किसी दबाव में। विपक्ष का यह भी कहना है कि राजनीति और प्रशासन को समझने के लिए निशांत कुमार को अलग से यात्रा करने के बजाय अपने पिता के साथ समृद्धि यात्रा में शामिल होना चाहिए था। वुल मिलाकर बिहार की राजनीति में इन दोनों यात्राओं को काफी अहम माना जा रहा है। एक तरफ यह नीतीश कुमार की राजनीतिक विरासत को मजबूत करने का प्रयास है तो दूसरी ओर निशांत कुमार के राजनीतिक सफर की शुरूआत के तौर पर भी इसे देखा जा रहा है। ऐसे में एक दिलचस्प पहलू यह भी है कि उत्तर प्रदेश में भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर बन चुका है। अब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मिथिला की बेटी जानकी माता के नाम पर एक भव्य मंदिर का निर्माण शुरू करा दिया है। देश में सांस्वृतिक एवं धरमिक पहचान को मजबूत किया जा रहा है। दरअसल नीतीश कुमार विकास के पर्याय बन चुके हैं। यह भी सत्य है कि उनकी दूरदशा नीतियों के कारण आज बिहार के किसी भी कोने से पटना चार से पांच घंटे में पहुंचा जा सकता है। जनता दल यूनाइटेड ने बिहार में सत्ता में बने रहने के लिये हर तरह के प्रयोग किये, कभी भाजपा के साथ मिलकर चुनाव लडा तो कभी उसके साथ सरकार बनाई। उन्होंने विपक्ष का हाथ थामा और राष्ट्रीय जनता दल की अगुआईंवाले महागठबंधन के साथ मिलकर भी सरकार बनाई और उनकी मेहरबानी के कारण ही राजद नेता तेजस्वी यादव को उपमुख्यमंत्री बने। एक बारगी यह लगने लगा था कि तेजस्वी यादव बिहार की अगली पीढी के मुख्यमंत्री बन जायेंगे लेकिन नीतीश के फिर पासा पलटने उनका सारा गणित गड़बड़ा गया। समय ने तेजी से करवट लिया और जनता दल यूनाइटेड ने भाजपा का दामन फिर से थाम लिया। भाजपा को नीतीश कुमार का साथ खूब भाया और वह बिहार में सबसे बडे राजनीतिक दल के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत करने में सफल रही। यह तय माना जा रहा है कि बिहार में पहली बार भाजपा का मुख्यमंत्री बनेगा। इस बात की अटकलें जा लगने लगी हैं कि अगला मुख्यमंत्री कौन होगा, उपमुख्यमंत्री में कोई पदोन्नत किया जायेगा, कोई नया चेहरा होगा या कोई महिला मुख्यमंत्री बनेगी।

ईरान की जंग से बाहर होना चाहते हैं ट्रम्प! ऑपरेशन एपिक फ्यूरी बना सिरदर्द, इजरायल फंसेगा अकेला?

(जीएनएस)।

मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति Donald Trump के बार-बार बदलते बयान से अब अमेरिका ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया ऊब गई है। उनके बयानों से ऐसा लग रहा है कि इस जंग की शुरूआत कर के बुरे फंस गए और अब बस निकलना चाहते हैं। अपने बयानों में कभी वह कहते हैं कि अमेरिका जंग जीत चुका है, तो कभी कहते हैं कि अभी ऑपरेशन खत्म नहीं हुआ है।

इसके पीछे व्हाइट हाउस के अंदर चल रही एक राजनीतिक खींचतान बताई जा रही है। जिसके चक्कर में ट्रंप का ही खेमा दो धड़ों में बंटा दिख रहा है। असल में ट्रंप के कई सलाहकार और राजनीतिक सहयोगी इस बात पर अलग-अलग राय दे रहे हैं कि जंग में जीत का शंखनाद कब और कैसे बजाया जाए। वहीं दूसरी तरफ यह जंग का ये रायता सिर्फ एक देश तक सीमित नहीं रहा और इसने पूरे मिडिल ईस्ट को लपेटे में ले लिया है।

ट्रंप के सलाहकारों में भयंकर मतभेद

ट्रंप के एक सलाहकार और इस मामले से जुड़े अन्य लोगों के मुताबिक व्हाइट हाउस के अंदर इस युद्ध को लेकर काफी मतभेद हैं। कुछ अधिकारी राष्ट्रपति को चेतावनी दे रहे हैं कि अगर ईरान पर अमेरिका और इजरायल के हमलों की वजह से गैसोलीन की कीमतें बढ़ जाती हैं, तो इसका घरेलू राजनीति पर बड़ा निगेटिव असर पड़ सकता है। दूसरी तरफ कुछ कट्टरपंथी नेता चाहते हैं कि ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई और ज्यादा तेज की जाए ताकि उसे पूरी तरह कमजोर किया जा सके।

व्हाइट हाउस से बाहर आने लगी बातें

समाचार एजेंसी Reuters की रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप प्रशासन के अंदर हो रही इन चचाओं की पहले कभी इतनी खुलकर रिपोर्टिंग नहीं हुई थी। यह स्थिति खास इसलिए भी है क्योंकि यह अभियान 2003 के IrÔq WÔr के बाद अमेरिका का सबसे बड़ा सैन्य अभियान माना जा रहा है। यानी अमेरिका के भीतर ही इस युद्ध को लेकर स्पष्ट रणनीति पर पूरी तरह सहमति नहीं बन पाई है।

ट्रंप के लिए राजनीतिक दांव बहुत बड़ा

इस पूरे घटनाक्रम से यह साफ है कि इस युद्ध में ट्रंप के लिए राजनीतिक दांव बहुत ऊंचे हैं। उन्होंने पिछले साल चुनाव प्रचार के दौरान वादा किया था कि अमेरिका को मूर्खतापूर्ण मिलिट्री दखलों से दूर रखा जाएगा। यहां ट्रंप बाइडेन के कार्यकाल में छिड़े रूस-यूक्रेन और इजरायल-हमास युद्ध की ओर इशारा कर रहे थे। लेकिन हुआ इसका ठीक उल्टा, सत्ता संभालने के लगभग दो हफ्ते बाद ही अमेरिका एक ऐसे युद्ध में शामिल हो गया जिसने वैश्विक वित्तीय बाजारों को हिला दिया और अंतरराष्ट्रीय तेल व्यापार को भी प्रभावित कर दिया।

युद्ध के नए नाम खोजने की कोशिशें

जब 28 फरवरी को युद्ध शुरू हुआ था, तब इसके लक्ष्य काफी बड़े बताए गए थे। लेकिन हाल के दिनों में ट्रंप इस संघर्ष को एक "सीमित सैन्य अभियान" यानी लिमिटेड मिलिट्री ऑपरेशन्स के रूप में पेश कर रहे हैं। उनका कहना है कि इस ऑपरेशन के अधिकांश लक्ष्य पहले ही पूरे हो चुके हैं। इस बदलाव से साफ दिखता है कि व्हाइट हाउस के अंदर रणनीति को लेकर लगातार मंथन चल रहा है।

तेल-गैस के बाजारों में भी दिख रहा असर

ट्रंप के बदलते बयानों का असर सिर्फ राजनीति तक सीमित नहीं है। तेल और गैस के बाजार भी इससे प्रभावित हो रहे हैं। तेल और गैस की कीमतें उनके बयानों के बाद कभी तेजी से ऊपर जाती हैं तो कभी नीचे गिर जाती हैं। यानी निवेशकों और बाजार को भी साफ संकेत नहीं मिल पा रहा कि युद्ध कितने समय तक चलेगा।

कभी हां- कभी ना

हाल ही में केंटकी में एक चुनावी रैली के दौरान ट्रंप ने पहले कहा कि "हमने युद्ध जीत लिया है। लेकिन कुछ ही देर बाद उन्होंने अपना बयान बदलते हुए कहा कि "हम जल्दी बाहर नहीं निकलना चाहते। हमें काम पूरा करना होगा।" इस तरह के बयान यह दिखाते हैं कि ट्रंप अभी तक स्पष्ट रूप से यह तय नहीं कर पाए हैं कि इस युद्ध को अपनी जनता के सामने कैसे परोसें, फिर दुनिया का तो भूल ही जाइए।

सलाहकार दे रहे ट्रंप को चेतावनी

अमेरिका के आर्थिक सलाहकारों और अधिकारियों- जिनमें ट्रेजरी डिपार्टमेंट और नेशनल इकॉनोमिक काउंसिलर के सदस्य शामिल हैं, इन सब लोगों ने ट्रंप को चेतावनी दी है। उनका कहना है कि अगर तेल की कीमतें तेजी से बढ़ती हैं और गैसोलीन महंगा होता है, तो जनता का युद्ध के प्रति समर्थन तेजी से कम हो सकता है। इन चचाओं की जानकारी नाम न छापने की शर्त पर एक सलाहकार और दो अन्य सूत्रों ने दी।

राजनीतिक टीम की चिंता

ट्रंप की राजनीतिक टीम भी इसी तरह की चिंता जता रही है। इनमें चीफ ऑफ स्टाफ र४र्श्री ह्वी२ और डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ र्खी२ इ्'१ शामिल हैं। इन नेताओं का मानना है कि ट्रंप को जीत की परिभाषा सीमित रखनी चाहिए। जैसे कि यह कहना कि सेना के ईरान में चल रहे ऑपरेशन लगभग खत्म होने वाला है। न कि जीत का दावा करना चाहिए।

कट्टरपंथी नेताओं का दबाव

लेकिन दूसरी तरफ कुछ रिपब्लिकन नेता चाहते हैं कि ईरान के खिलाफ सैन्य दबाव जारी रखा जाए। इस समूह में अमेरिकी सीनेटर Lindsey Graham और Tom Cotton शामिल हैं। इसके अलावा मीडिया कमेंटेटर भी इसी तरह की राय रखते हैं। उन नेताओं का तर्क भी जान लेते हैं। इन नेताओं का कहना है कि अमेरिका को ईरान को न्यूक्लियर हथियार हासिल करने से रोकना चाहिए। साथ ही ये भी कि अमेरिकी सैनिकों और शिपिंग पर हुए हमलों का मजबूत और सख्त जवाब देना जरूरी है।

ट्रंप के समर्थकों का भी दबाव

एक तीसरा गुट भी है, ट्रंप का कट्टर समर्थकों का गुट। इनें आप ट्रंप के अंधभक्त भी कह सकते हैं। इसमें रणनीतिकार Steve Bannfon और टीवी होस्ट Tucker Carlson जैसे लोग शामिल हैं। ये लोग ट्रंप से कह रहे हैं कि अमेरिका को मिडिल ईस्ट के एक और लंबे युद्ध में नहीं फंसना चाहिए। ये इशारा कुछ हद तक 1955 से लेकर 1975 तक चले अमेरिका-वियतनाम युद्ध की तरफ है, जहां अमेरिका ने 20 सालों तक जंग लड़ी लेकिन अंत में सिर्फ ठेंगा हाथ लगा।

तीन अलग-अलग संदेश देने की रणनीति

ट्रंप के एक सलाहकार के मुताबिक राष्ट्रपति एक तरह से तीन अलग-अलग संदेश देने की कोशिश कर रहे हैं। कट्टरपंथी नेताओं को लगता है कि सैन्य अभियान जारी रहेगा। बाजार को यह संकेत दिया जा रहा है कि युद्ध जल्दी खत्म हो सकता है। और उनके समर्थकों को बताया जा रहा है कि संघर्ष ज्यादा नहीं फैलेगा। और यही ट्रंप की सबसे बड़ी गलती है कि ट्रंप तीनों पक्षों को खुश करने की कोशिश कर रहे हैं।

व्हाइट हाउस अलग रास्ते पर

जब इस रिपोर्ट पर टिप्पणी मांगी गई तो व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव KÔroli»»fe LeÔvitt ने इसे गुमनाम सोर्सेस की अटकलें बताया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति कई लोगों की राय सुनते हैं लेकिन अंतिम फैसला वही लेते हैं। मतलब जवाब वो भी नहीं दे पाईं।

ऑपरेशन एपिक फ्यूरी बना एपिक सिरदर्द

लेविट ने कहा कि राष्ट्रपति की पूरी टीम का ध्यान "OperÔtio»»f Epic Fury" के मकसद को पूरा करने पर है। यानी प्रशासन का आधिकारिक संदेश यही है कि अभियान अपने लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ रहा है। ठीक से देखें तो लेविट एक चौथी बात कह कर चली गईं।

भाईजान भूल गए 'मकसद'

जब अमेरिका ने यह युद्ध शुरू किया था तब उसके मकसद पूरी तरह साफ नहीं थे। कभी कहा गया कि यह ईरान के संभावित हमले को रोकने के लिए है, कभी कहा गया कि उसका न्यूक्लियर कार्यक्रम खत्म करना है, और कभी यह भी कहा गया कि ईरान की रिजीम चेंज करना है।

बाजारों को संभाल रहे ट्रंप

अब जब युद्ध लंबा खिंचता दिख रहा है, ट्रंप के आर्थिक सलाहकार बाजारों को शांत करने की कोशिश कर रहे हैं। वे यह संदेश दे रहे हैं कि युद्ध ज्यादा लंबा नहीं चलेगा और तेल-गैस की कीमतों में बढ़ोतरी अस्थायी है।

हार को जीत बताने की जिम्मेदारी

सूत्रों के मुताबिक कुछ सहयोगियों ने ट्रंप को सलाह दी है कि युद्ध को ऐसी स्थिति में खत्म किया जाए जिसे सैन्य जीत कहा जा सके। फिर चाहे, ईरान की लीडरशिप पूरी तरह खत्म न हो और उसका न्यूक्लियर प्रोग्राम भी पूरी तरह से बर्बाद न हुआ हो। याद रहे, ऐसी ही जीत का दावा अमेरिका पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार हेनरी किसिंजर ने वियतनाम में पीठ दिखाकर लौटते वक्त किया था। फिलहाल अमेरिका के इस युद्ध में 7 सैनिक मारे जा चुके हैं और 4 और सैनिक हाल ही में हुई ङउ-135 एयरक्राफ्ट की घटना में हताहत होने की खबर आ गई है।

अमेरिकी राजनीति में ट्रंप की फजीहत

अगर इस वजह से अमेरिका में गैस की कीमतें बढ़ती हैं तो नवंबर के मिड टर्म इलेक्शन में ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी पर राजनीतिक दबाव बढ़ सकता है। इसी से ट्रंप की फजीहत भी हो सकती है। ट्रंप के कुछ करीबियों ने उन्हें वेनेजुएला की तर्ज पर जीत का भरोसा दिलाया था पर ऐसा दूर-दूर तक नहीं हो रहा है।

लंबा चला युद्ध तो अमेरिका का नुकसान

वहीं एक्सपर्ट्स का मानना है कि अगर युद्ध लंबा चला, अमेरिकी सैनिकों की मौत बढ़ी और आर्थिक लागत ज्यादा हुई, तो ट्रंप के समर्थकों का समर्थन भी धीरे-धीरे कम हो सकता है। जो इतिहास में ट्रंप को आबाद के नाम पर बर्बाद करने वाले राष्ट्रपति के तौर पर याद रखवा सकता है।

कानपुर : साली को 'सपने में छेड़ने' की सजा जेल? 7 साल बाद एयरफोर्स कर्मी कोर्ट से क्यों और कैसे हुआ बरी?

(जीएनएस)।

कानपुर से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां नाबालिग साली से छेड़छाड़ के आरोप में फंसे एक एयरफोर्स कर्मी को करीब सात साल बाद अदालत से राहत मिल गई। कोर्ट ने सभी आरोपों से बरी कर दिया, क्योंकि पीड़िता ने अपने बयान में कहा कि उसे घटना सच में नहीं, बल्कि सपने में महसूस हुई थी।

इस मामले में आरोप लगने के बाद एयरफोर्स कर्मी को 19 दिन तक जेल में रहना पड़ा था। लंबी सुनवाई और गवाहों के बयान के बाद विशेष ढडउरड कोर्ट ने सबूतों के अभाव में आरोपी को दोषमुक्त कर दिया। लड़की ने खुद कोर्ट में कहा- 'सपने में ऐसा महसूस हुआ था, असल में कुछ नहीं हुआ। दवा की वजह से भ्रम हो गया था।' यह पूरा मामला ससुराल की प्रॉपर्टी विवाद का नतीजा था। आइए स्टेप-बाय-स्टेप समझते हैं कि कैसे एक सपना 7 साल तक जिंदगी बर्बाद कर सकता है...

साली ने लगाया जीजा का छेड़छाड़ का आरोप

मामले की शुरूआत 2019 में हुई थी। बिठूर के रहने वाले एयरफोर्स कर्मी की शादी 10 फरवरी 2019 को बिधनू इलाके की एक युवती से हुई थी। शादी के कुछ दिन बाद वह अपनी पत्नी को लेने ससुराल गया था। उस समय उसकी नाबालिग साली भी उनके साथ आई थी।

एफआईआर के अनुसार, 8 मार्च 2019 की रात करीब 9 बजे लड़की अचानक जोर-जोर से चिल्लाने लगी। उसकी बड़ी बहन जब कमरे में पहुंची तो उसने आरोप लगाया कि उसके जीजा ने उसे पकड़ लिया और छेड़छाड़ की। इसके बाद परिवार ने पुलिस को सूचना दी। हालांकि उस समय आरोपी अपने पिता के साथ वहां से चला गया था। बाद में लड़की के पिता की शिकायत पर करीब पांच महीने बाद 3 अगस्त 2019 को नौबस्ता थाने में मामला दर्ज कराया गया।

19 दिन जीजा जेल में, जमानत पर मिली रिहाई

पुलिस ने जांच के बाद 29 सितंबर 2019 को एयरफोर्स कर्मी को गिरफ्तार कर लिया और जेल भेज दिया। करीब 19 दिन जेल में रहने के बाद 17 अक्टूबर को उसे जमानत मिल गई। जांच के दौरान पुलिस ने पीड़िता के शुरूआती बयान के आधार पर चार्जशीट दाखिल की। आरोपी के खिलाफ मारपीट, बदनामी, छेड़छाड़ और लैंगिक हमले जैसे आरोप लगाए गए और पॉक्सो कोर्ट में मुकदमा शुरू हुआ।

7 साल बाद साली ने जीजा को बताया बेगुनाह

मामले में बड़ा मोड़ तब आया, जब दिसंबर 2021 में कोर्ट में पीड़िता के बयान दर्ज हुए। उसने अदालत को बताया कि घटना की रात वह एंटीबायोटिक दवा लेकर सो रही थी और आधी नींद में थी। उसी दौरान उसे सपने में ऐसा महसूस हुआ कि किसी ने उसे पकड़ लिया है, जिसे उसने अपने जीजा समझ लिया और शोर मचा दिया।

लड़की ने अदालत में कहा कि वास्तव में उसके साथ कोई छेड़छाड़ नहीं हुई थी, बल्कि यह सब भ्रम की वजह से हुआ था। बाद में उसके पिता और बड़ी बहन ने भी अदालत में कहा कि गलतफहमी में रिपोर्ट दर्ज करा दी गई थी। इन बयानों के बाद अदालत ने पूरे मामले की समीक्षा की और पाया कि आरोपों को साबित करने के लिए

ओटीटी पर कहां देखें 'बॉर्डर 2'? अब घर बैठे लें सनी देओल की फिल्म का मजा

(जीएनएस)।

बॉलीवुड के दमदार एक्टर सनी देओल जब भी बड़े पर्दे पर वापसी करते हैं, तो फैंस का उत्साह देखने लायक होता है। इस साल भी उन्होंने अपनी सुपरहिट फिल्म 'बॉर्डर' के सीक्वल 'बॉर्डर 2' के जरिए सिनेमाघरों में जबरदस्त धमाल मचाया था।

ओटीटी पर रिलीज होने वाली है 'बॉर्डर 2'

23 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई इस फिल्म को दर्शकों ने खूब पसंद किया और बॉक्स ऑफिस पर इसने छप्पड़फाड़ कमाई की। अब थिएटर में सफलता हासिल करने के बाद ये फिल्म जल्द ही ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी रिलीज होने जा रही है।

कहां और कब देख सकेंगे फिल्म 'बॉर्डर 2'?

-डायरेक्टर अनुराग सिंह के निर्देशन में बनी फिल्म 'बॉर्डर 2' को जो लोग थिएटर में देखने से चूंक गए थे अब वो इसका मजा घर बैठे ही ले पाएंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सनी देओल की सुपरहिट फिल्म 'बॉर्डर 2' आगामी 20 मार्च 2026 से ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स (ठी३ट'७) पर स्ट्रीम की जाएगी।

अ'२ङ्ग र्फी

'मुसलमानों से ज्यादा तो हिंदू मर्द ही', बॉलीवुड की फेमस मुस्लिम एक्ट्रेस का बड़ा बयान, धर्म पर ये क्या कहा?

'मुसलमानों से ज्यादा तो हिंदू मर्द ही', बॉलीवुड की फेमस मुस्लिम एक्ट्रेस का बड़ा बयान, धर्म पर ये क्या कहा?

-इस फिल्म में सनी देओल के साथ कई मशहूर स्टार्स नजर आए हैं। फिल्म में वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी ने अहम भूमिकाएं निभाई है। चारों कलाकारों की दमदार एक्टिंग की दर्शकों और समीक्षकों ने खूब तारीफ की थी।

बॉक्स ऑफिस पर 'बॉर्डर 2' का धमाका

-आपको बता दें कि साल 1997 में रिलीज हुई सुपरहिट फिल्म 'बॉर्डर' के निर्देशक जेपी दत्ता थे। फिल्म 'बॉर्डर' को उस दौर की सबसे यादगार युद्ध मूवीज में गिना जाता है।

-वहीं 'बॉर्डर' की सीक्वल 'बॉर्डर 2' को जेपी दत्ता की बेटी निधि दत्ता और भूषण कुमार ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। बॉक्स ऑफिस रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फिल्म ने दुनियाभर में करीब 449.65 करोड़ रुपये की कमाई की है, जो इसे साल की बड़ी हिट फिल्मों में शामिल करता है।

सनी देओल के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स

-सनी देओल के साल 2026 काफी बिजी रहने वाला है। वह एक नहीं बल्कि कई बड़ी फिल्मों में नजर आने वाले हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उनकी अपकमिंग फिल्म 'गबरू' आगामी 8 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

-इसके बाद सनी देओल फिल्म 'लाहौर 1947' में दिखाई देंगे जिसे आमिर खान के प्रोडक्शन हाउस के तहत बनाया गया है और ये मूवी 14 अगस्त 2026 को थिएटर्स में रिलीज होगी।

-इतना ही नहीं दिवाली 2026 पर रिलीज होने वाली फिल्म 'रामायण-पार्ट 1' में भी सनी देओल भगवान हनुमान के किरदार में नजर आएंगे। इस फिल्म में उनके साथ बॉलीवुड एक्टर रणबीर कपूर ने काम किया है जो कि प्रभु श्रीराम के रोल में दिखाई देंगे।

-इसके अलावा सनी देओल और अक्षय खन्ना की फिल्म 'इक्का' (र्क'') भी काफी चर्चा में है, जिसे सीधे ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज किया जाएगा।

तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज के लिए साल 2026 यादगार रहा

(जीएनएस)।

भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज के लिए साल 2026 यादगार रहा है। एक तरफ टीम इंडिया ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 का खिताब जीतकर इतिहास रचा है। दूसरी तरफ 13 मार्च यानी शुक्रवार को सिराज ने अपना 32वां जन्मदिन मनाया। इस खास मौके पर दिग्गज गायिका आशा भोसले की पोती और सोशल मीडिया पर्सनैलिटी जनाई भोसले का पोस्ट चर्चा का विषय बन गया है।

जनाई भोसले ने इंस्टाग्राम पर किया पोस्ट

जनाई भोसले ने इंस्टाग्राम पर सिराज के लिए एक दिल छू लेने वाली पोस्ट शेयर की। उन्होंने सिराज को अपना 'सबसे पसंदीदा इंसान' (ट८ ऋक्ष्ङ्ग४१३ी२३ ढी१२ङ्गल्ल) बताते हुए उनके प्रति अपना स्नेह और सम्मान व्यक्त किया। वर्ल्ड कप की ऐतिहासिक जीत के तुरंत बाद आए इस संदेश ने फैंस का ध्यान

अपनी ओर खींच लिया। जनाई ने अपनी पोस्ट में सिराज की उपलब्धि पर गर्व जताते हुए उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

मोहम्मद सिराज ने यूएसए के खिलाफ किया था कमाल

मोहम्मद सिराज इस पूरे टूनार्मेंट में शानदार लय में नजर आए। विशेष रूप से अमेरिका (वरअ) के खिलाफ मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए मैच में उन्होंने 29 रन देकर 3 विकेट चटकाए, जिसने भारत की जीत की नींव रखी थी। उस समय भी जनाई ने एक स्पेशल नोट लिखकर सिराज का हौसला बढ़ाया था। सिराज के इस प्रदर्शन और वर्ल्ड कप फाइनल में उनकी भूमिका ने उन्हें भारतीय गेंदबाजी आक्रमण का एक अनिवार्य हिस्सा साबित कर दिया है।

पुरानी है जनाई और सिराज की दोस्ती

जनाई और सिराज की दोस्ती पिछले साल भी सुर्खियों में रही थी, जब जनाई के जन्मदिन की कुछ तस्वीरें वायरल हुई थीं। हालांकि, दोनों ने हमेशा एक-दूसरे को अच्छा दोस्त और पारिवारिक सदस्य बताया है। पिछले साल रक्षाबंधन के अवसर पर जनाई द्वारा सिराज को राखी बांधने की तस्वीरों ने उन सभी अटकलों पर विराम लगा दिया था जो उनके रिश्ते को लेकर सोशल मीडिया पर चल रही थीं।

कौन हैं सायली सुर्वे? मिसेज इंडिया अर्थ 2019, हिंदू धर्म में की वापसी

(जीएनएस)।

2019 में मिस इंडिया अर्थ का खिताब जीतने वाली सायली ने अपने पति आतिफ तासे पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। जानकारी के मुताबिक, उन्होंने अपने परिवार की इच्छा के खिलाफ जाकर मीरा-भाईंदर के कारोबारी आतिफ तासे से प्रेम विवाह किया था। शादी के लिए उन्होंने इस्लाम धर्म स्वीकार किया था, जिसके बाद उनका नाम बदलकर अतेजा तासे रख दिया गया। अब हाल ही में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में सायली ने आरोप लगाया है कि शादी के बाद उनके साथ जबरन धर्म परिवर्तन, मारपीट और गाली-गलौज जैसी घटनाएं हुईं। सायली सुर्वे के इन आरोपों ने लोगों को चौंका दिया है और मामला अब चर्चा का विषय बन गया है।

सायली सुर्वे?

सायली सुर्वे महाराष्ट्र के पिंपरी-चिंचवड क्षेत्र की रहने वाली हैं और बाद में मुंबई में रहने लगीं। इस वक्त वो मुंबई में हैं और उनके चार बच्चे हैं। वह साल 2019 में उस समय चर्चा में आईं, जब उन्होंने मिसेज इंडिया अर्थ 2019 प्रतियोगिता में हिस्सा लिया और विजेता बनीं। उस समय उनकी उम्र करीब 24 साल बताई जाती है। सायली ने इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेने की वजह अपने सपनों और आत्मविश्वास को बताया था। उनका कहना था कि इस मंच के जरिए वह अपनी पहचान बनाना चाहती थीं और महिलाओं को अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित करना चाहती थीं।

2017 में की थी शादी और इस्लाम धर्म अपनाया

मीडिया से बातचीत में सायली सुर्वे ने बताया कि उनकी मुलाकात कारोबारी आतिफ तासे से एक साझा दोस्त के माध्यम से हुई थी। धीरे-धीरे दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और उन्होंने साल 2017 में परिवार की मर्जी के खिलाफ जाकर निकाह कर लिया। सायली का कहना है कि शादी के लिए उन्होंने इस्लाम धर्म स्वीकार किया था। हालांकि बाद में उनका आरोप है कि शादी के बाद उनके साथ अच्छा व्यवहार नहीं किया गया और रिश्ते में लगातार विवाद, मारपीट और अभद्र भाषा का सामना करना पड़ा। सायली ने अपने अनुभव को 'लव जिहाद' से जोड़ते हुए गंभीर सवाल उठाए हैं। वहीं उनके बयान सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर कई वीडियो भी वायरल हो रहे हैं, जिनमें दावा किया जा रहा है कि सायली ने बाद में फिर से हिंदू धर्म अपनाने का फैसला किया। बताया जा रहा है कि उन्होंने यह कदम अपने बच्चों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए उठाया।

उन्नाव पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया

(जीएनएस)।

उन्नाव पुलिस ने 13 मार्च 2026 को चेकिंग के दौरान एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। उसके पास से दो चोरी की मोटरसाइकिलें और एक अवैध तमंचा व कारतूस बरामद किए गए हैं।

यह गिरफ्तारी उपनिरीक्षक वीरेंद्र विक्रम सिंह, सुरेंद्र यादव, कांस्टेबल अमित पवार और राजेश कुमार की टीम ने कल्याणी तिराहा पर संदिग्ध व्यक्ति/वाहन की चेकिंग के दौरान की। हरदोई बाईपास से कल्याणी तिराहा की ओर आ रहे एक मोटरसाइकिल चालक को रोका गया।

पूछताछ में चालक ने अपना नाम इमरान पुत्र इलियास, निवासी मोहल्ला मुन्नु मियां तलैया, कस्बा व थाना बांगरमऊ, जनपद उन्नाव बताया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक 315 बोर का तमंचा और एक कारतूस

बरामद हुआ। जब उससे मोटरसाइकिल के कागजात मांगे गए तो वह नहीं दिखा सका। बाद में पता चला कि मोटरसाइकिल (चेचिस नंबर ME4JC658MH7038155) थाना सुरसा, जनपद हरदोई में दर्ज मुकदमे (मु0अ0स0-91/2025) से संबंधित चोरी की थी।

इमरान से आगे की पूछताछ में उसने एक और चोरी की मोटरसाइकिल (UP35AG5794) बोद्धेश्वर मंदिर के पास पुलिया के नीचे छिपाकर रखने की बात कबूली, जिसे पुलिस ने कब्जे में ले लिया। यह अपाचे मोटरसाइकिल इमरान ने 5 फरवरी को उन्नाव रेलवे स्टेशन से चोरी की थी।

पुलिस के अनुसार, इमरान एक आदतन अपराधी है और पहले भी कई मामलों में जेल जा चुका है। उसके खिलाफ थाना बांगरमऊ में मु0अ0सं0 369/23, 161/25, 515/25 और थाना फतेहपुर चौरासी में मु0अ0स0 95/2025 दर्ज हैं। वर्तमान में उसके विरुद्ध स्थानीय थाने में मु0अ0सं0 77/2026 धारा 317 (2)/317(4)/317(5) बीएनएस और 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे जेल भेज दिया गया है।

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में आयोजित हुआ दो दिवसीय परख कार्यशाला

(जीएनएस)।

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान बीसलपुर, पीलीभीत के ऑडिटोरियम एवं राधाकृष्णन हाल में परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण 2024 से संबंधित दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

उक्त कार्यशाला में डायट प्राचार्य, खंड शिक्षा अधिकारी, डायट प्रवक्ता, एस आर जी, जिला समन्वयक, एआरपी, नोडल शिक्षक संकुल, राजकीय, सहायता प्राप्त, ऐडेड माध्यमिक विद्यालयों

के प्रधानाध्यापक तथा मदरसा शिक्षक आदि द्वारा प्रतिभा किया गया।

जनपद स्तरीय संदर्भदाताओं द्वारा परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण 2024 से संबंधित आंकड़ों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई साथ ही आगामी सर्वे से संबंधित कार्यक्रम एवं रूपरेखा का निर्माण किए जाने संबंधी चर्चा की गई। कार्यशाला में संबंधित समस्याओं का क्रमागत समाधान एवं तद्संबंधी दिशा निर्देश प्राचार्य दरवेश कुमार द्वारा दिया गया। कार्यशाला का संचालन नोडल अमित कुमार शर्मा द्वारा किया गया तथा प्रशिक्षण प्रभारी श्री विजय कुमार, सुनीता बिष्ट, पुलकित शर्मा व अमित कुमार मौजूद रहे।

पीलीभीत में दो समुदायों के बीच हिंसक झड़प:जतीपुर गांव में युवक पर हमला, जिला अस्पताल में हंगामा, भारी पुलिस बल तैनात

(जीएनएस)।

पीलीभीत। जहानाबाद क्षेत्र के जतीपुर गांव में मामूली विवाद ने दो समुदायों के बीच हिंसक रूप धारण कर लिया। इस झड़प में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसके बाद जिला अस्पताल में परिजनों और डॉक्टरों के बीच तीखी नोकझोंक हो गई। हंगामे की सूचना पर संगठनों के कार्यकर्ता भी पहुंच गए, जिससे अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी मच गई। गांव में तनाव को देखते हुए पुलिस ने भारी सुरक्षा बल तैनात कर दिया है।

जानकारी के मुताबिक, जतीपुर गांव निवासी महेंद्रपाल का दूसरे समुदाय के कुछ युवकों से पुराना विवाद चल रहा था। दोपहर के समय जब दोनों पक्ष थाने में शिकायत दर्ज कराने पुलिस चौकी की ओर जा रहे थे, तभी रास्ते में हमलावरों ने महेंद्रपाल को घेर लिया। उन्होंने उस पर लाठियों और डंडों से जमकर हमला बोला, जिससे वह गंभीर रूप से

जख्मी हो गया। बीच-बचाव के लिए पहुंचे ग्रामीणों को भी हमलावरों ने खदेड़ दिया और उन पर भी प्रहार किए। घटना स्थल पर खून बहता देख ग्रामीणों में दहशत फैल गई।

अस्पताल में हंगामा

घायल महेंद्रपाल को परिजन और ग्रामीणों ने तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया। यहां परिजनों का आरोप है कि ड्यूटी पर तैनात डॉक्टरों ने पुलिस की मेमो (सूचना) न होने का हवाला देकर इलाज शुरू करने से इनकार कर दिया। इससे गुस्साए परिजनों ने डॉक्टरों से तीखी नोकझोंक शुरू कर दी। हंगामे की सूचना पर हनुमान दल सहित विभिन्न संगठनों के कार्यकर्ता अस्पताल पहुंच गए। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (सीएमएस) डॉ. रमाकांत सागर से कार्यकताओं की जोरदार बहस हुई, जो करीब आधा घंटे तक चली। अस्पताल परिसर में नारेबाजी और धक्कामुक्की का माहौल बन गया। आखिरकार परिजनों ने महेंद्रपाल को एक निजी अस्पताल ले जाकर उसका इलाज कराया।

पुलिस ने संभाला मोर्चा

घटना की सूचना मिलते ही एसपी नताशा गोयल दो थानों की फोर्स के साथ जतीपुर गांव पहुंचीं। उन्होंने पीड़ित परिवार को सांत्वना दी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का भरोसा दिलाया। गांव में तनावपूर्ण माहौल को शांत करने के लिए पीएसी और स्थानीय पुलिस की भारी फोर्स तैनात कर दी गई है।

इंस्पेक्टर प्रदीप कुमार बिश्नोई ने बताया-

"दो पक्षों के बीच मारपीट का मामला दर्ज हो गया है। पुलिस पूरी घटना की गहन जांच कर रही है। दोषी पाए जाने पर उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

सीओ चकबंदी पर 50 हजार रुपये घूस मांगने का आरोप,किसान ने रकबा सुधार के लिए डीएम से कार्रवाई की मांग की

(जीएनएस)।

उन्नाव के बांगरमऊ में चकबंदी विभाग के एक अधिकारी पर किसान से रिश्वत मांगने का आरोप लगा है। रकबा सुधार के लिए 50 हजार रुपये की घूस मांगने के आरोप में किसान ने सीओ चकबंदी अधिकारी के खिलाफ जिलाधिकारी (डीएम) को शिकायत पत्र सौंपा है। शिकायत मिलने के बाद विभाग में हड़कंप मच गया है।

फतेहपुर चौरासी थाना क्षेत्र के हाफि जाबाद निवासी जयप्रकाश पुत्र रामेश्वर की गांव में भूमि संख्या 80 और 89 है। इन भूमियों के रकबा सुधार के लिए उन्होंने चार साल पहले चकबंदी अधिकारी के समक्ष मुकदमा

दायर किया था। यह मामला अभी भी न्यायालय में विचाराधीन है और इसका निस्तारण नहीं हुआ है।

किसान जयप्रकाश का आरोप है कि चकबंदी अधिकारी सीओ सतीश शुक्ला द्वारा मामले के निस्तारण के लिए 50 हजार रुपये की रिश्वत मांगी जा रही है। रिश्वत न देने पर मामले का निस्तारण नहीं किया जा रहा है। पीड़ित किसान ने शुक्रवार दोपहर दो बजे इस संबंध में जिलाधिकारी को शिकायती पत्र सौंपा।

इस मामले में चकबंदी अधिकारी सीओ सतीश शुक्ला ने आरोपों का खंडन किया है। उन्होंने कहा कि उनकी ओर से कोई मांग नहीं की गई है। उन्होंने बताया कि फाइल लग गई है और जल्द ही निस्तारण करा दिया जाएगा। अधिकारी के आने में समय लगने के कारण देरी हुई है।

वहीं, एसडीएम बृजेंद्र मोहन शुक्ला ने बताया कि यह मामला उनके संज्ञान में नहीं है। उन्होंने आश्वासन दिया कि शिकायत की जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

ट्रेन की चपेट में आने से 50 वर्षीय महिला की मौतः पूर्णागिरि दर्शन से लौटते समय पीलीभीत के अकेला हंसपुर हॉल्ट पर हादसा

(जीएनएस)।

पीलीभीत। पूर्णागिरि मंदिर दर्शन से लौट रही शाहजहांपुर जिले की 50 वर्षीय महिला की ट्रेन से उतरते समय पैर फिसलने से मौत हो गई। हादसा गुरुवार रात अकेला हंसपुर रेलवे हॉल्ट पर हुआ, जहां ट्रेन और प्लेटफॉर्म के बीच फंसने से उनका एक पैर कट गया।

मृतका कमला देवी पत्नी राजेंद्र प्रसाद ग्राम नवदिया होरीलाल थाना खुटार शाहजहांपुर की निवासी थीं। वे परिवार के साथ उत्तराखंड के पूर्णागिरि मंदिर दर्शन कर ट्रेन से घर लौट रही थीं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रेन रुकते ही यात्री उतरने लगे तो कमला देवी का संतुलन बिगड़ गया।

वे ट्रेन के नीचे फंस गईं और गंभीर रूप से घायल हो गईं।

मौके पर मौजूद यात्रियों व ग्रामीणों ने उन्हें ट्रेन के नीचे से निकाला। परिजनों ने रात करीब 10 बजे उन्हें सीएचसी पूरनपुर ले जाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। कमला के सात बच्चे हैं—तीन बेटे व चार बेटियां, जिनमें केवल एक बेटे की शादी हुई है। मां के निधन से परिवार पर शोक की लहर दौड़ गई है।

पीलीभीत में उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा केंद्रों का डीएम व एसपी ने निरीक्षण किया, अलविदा जुमा पर जामा मस्जिद में सुरक्षा व्यवस्था जांची

(जीएनएस)।

पीलीभीत, जनपद में प्रस्तावित उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती-2025 की लिखित परीक्षा को सकुशल और निष्पक्ष रूप से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी महोदय एवं पुलिस अधीक्षक पीलीभीत महोदय ने आज पीएम श्री ड्रमण्ड इंटर कॉलेज, सिद्दीकी नेशनल इंटर कॉलेज, राजकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, रामा इंटर कॉलेज पीलीभीत तथा उपाधि महाविद्यालय पीलीभीत

के चयनित परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता, प्रवेश-निकास व्यवस्था, परीक्षार्थियों की चेकिंग, स्ट्रॉन्ग रूम, बैठने की व्यवस्था, पुलिस बल की तैनाती एवं यातायात व्यवस्था की बारीकी से जांच की गई। अधिकारियों ने केंद्र व्यवस्थापकों को परीक्षा को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए आवश्यक निर्देश दिए।इसी क्रम में अलविदा जुमा की नमाज के दृष्टिगत जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने शहर स्थित जामा मस्जिद पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान ड्रोन के माध्यम से मस्जिद एवं आसपास के क्षेत्रों पर कड़ी निगरानी रखी गई। संबंधित अधिकारियों को पुलिस बल के साथ निरंतर भ्रमणशील रहते हुए शांति, कानून व्यवस्था एवं सुरक्षा को सुदृढ़ बनाए रखने के निर्देश दिए गए।

सिसैया साहब और पसगवां ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों पर उठे सवाल, भाकियू भानु कराएगी जांच

(जीएनएस)।

पीलीभीत। बिलसंडा ब्लॉक क्षेत्र की ग्राम पंचायत सिसैया साहब और पसगवां में अब तक कराए गए विकास कार्यों को लेकर अब सवाल खड़े होने लगे हैं। भारतीय किसान यूनियन (भानु) ने दोनों ग्राम पंचायतों में कराए गए कार्यों की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच कराने की रणनीति तैयार कर ली है। संगठन का आरोप है कि कई विकास कार्यों में गुणवत्ता और पारदर्शिता पर गंभीर संदेह है।भाकियू भानु के पदाधिकारियों ने कहा कि ग्राम पंचायतों में इंटरलॉकिंग सड़कों, सीसी रोड, नालियों, मनरेगा कार्यों, प्रधानमंत्री आवास, शौचालय निर्माण, वृक्षारोपण और पथ प्रकाश व्यवस्था सहित विभिन्न योजनाओं के तहत लाखों रुपये खर्च किए गए हैं। लेकिन जमीनी स्तर पर इन कार्यों की

गुणवत्ता और वास्तविकता पर ग्रामीणों द्वारा लगातार सवाल उठाए जा चुके हैं।लेकिन मामलों को ठंडे बस्ते में दबा दिया गया है।संगठन के नेताओं का कहना है कि कई स्थानों पर विकास कार्य अधूरे हैं, जबकि कुछ जगहों पर मानकों के विपरीत निर्माण होने की शिकायतें सामने आई हैं। लोगों का आरोप है कि सरकारी धन खर्च होने के बावजूद अपेक्षित स्तर का विकास नहीं दिखाई दे रहा।भाकियू भानु ने इस पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए ब्लॉक प्रशासन और जिला अधिकारियों को ज्ञापन सौंपने तथा उच्च स्तरीय जांच कराने की रणनीति बनाई है। संगठन ने साफ कहा है कि यदि जांच में अनियमितताएं सामने आती हैं तो दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की जाएगी।किसान यूनियन के पदाधिकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते निष्पक्ष जांच नहीं कराई गई तो संगठन किसानों और ग्रामीणों के साथ मिलकर बड़ा आंदोलन करने को मजबूर होगा। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं का पैसा जनता के हित के लिए है और उसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही या भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

भाकियू भानु का कहना है कि ग्रामीणों की शिकायतों को ध्यान में रखते हुए जल्द ही जिलाधिकारी और खंड विकास अधिकारी से मिलकर जांच की मांग की जाएगी, ताकि पंचायतों में हुए विकास कार्यों की वास्तविक स्थिति सामने आ सके।

ग्राम प्रधान और सचिव की मिलीभगतः से भैसा ग्वालपुर में टूटी नालियां, जर्जर सड़कें, विकास कार्य ठप

(जीएनएस)।

बरखेड़ा पीलीभीत,ब्लाक बरखेड़ा क्षेत्र के भैंसा ग्वालपुर ग्राम में ग्राम प्रधान और सचिव पर विकास कार्यों में भ्रष्टाचार और मिलीभगत का गंभीर आरोप लगा है। गांववासी टूटी-फूटी नालियों और बरहाल सड़कों से परेशान हैं, लेकिन प्रधान व सचिव पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही। स्थानीय निवासियों ने प्रशासन से शिकायत की है।गांव में वर्षा ऋतु के बाद से ही नालियां बुरी तरह टूट चुकी हैं, जिससे गंदा पानी सड़कों पर बह रहा है। सड़कें इतनी जर्जर हो चुकी हैं कि वाहन आसानी से पार नहीं हो पा रहे। ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम पंचायत को मिले विकास निधि का दुरुपयोग ग्राम प्रधान और सचिव ने मिलकर किया। "प्रधान ने टेंडर किसी रिश्तेदार को दिए, लेकिन काम अधूरा छोड़ दिया। सचिव ने फर्जी बिल पास कराए," बताया रामू ने।एक अन्य ग्रामीण सीमा देवी ने कहा, "बच्चे स्कूल जाते समय कीचड़ में फंस जाते हैं। नालियों से दुर्गंध फैल रही है,

बीमारियां फैलने का खतरा है। हमने प्रधान को कई बार शिकायत की, लेकिन अनसुना कर दिया।" गांव में 500 से अधिक परिवार रहते हैं, जहां बुनियादी सुविधाओं की कमी से जीवन कठिन हो गया है।ग्रामीणों ने इस मामले में 1076पर शिकायत दर्ज कर जांच कराने की मांग की है जव इस मामले में विकास खंड विकास अधिकारी वरखेड़ा से जान कारी ली गई तो उन्होंने बताया जांच कर कार्रवाई की जायेगी उधर ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगायाहै कि गांव भैंसा ग्वालपुर में हेड पंप नाल भी खराब है लगता है कि सचिन और प्रधान ने सरकारी धन का बंदर बाट कर लिया जहां पर दो हैंड पंपनल खराब होने से ग्रामीणों को पानी पीने के लिए काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है लेकिन इस मामले में अभी सचिव और प्रधान ने जमकर घोटाला कर डाला लगता है की देखना होगा कि प्रशासन इस भ्रष्टाचार में क्या लगाम लगा पाएगा क्या मामला फिर ठंडे बस्ते में ही डाल दिया जाएगा

ग्रामीणों ने प्रधान और सचिव के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन कर डाला ग्रामीणों ने इस घोटाले की अधिकारियों से जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है

शिकायतकताओं के नाम

तेजराम ठाकुर दास मैकूलाल कौशल्या देवी रेखा इंद्रपाल राज बहादुर ओमकार सूरज पाल ववली देवी रेखा हिरा कली सावन कुमार रामप्यारी रामलाल नरेशपाल कालीचरन रामदास सजेनदर

ब्लाक बरखेड़ा क्षेत्र के गांव भैसा ग्वालपुर का है पूरा मामला

सिसैया साहब और पसगवां ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों पर उठे सवाल, भाकियू भानु कराएगी जांच

(जीएनएस)।

पीलीभीत। बिलसंडा ब्लॉक क्षेत्र की ग्राम पंचायत सिसैया साहब और पसगवां में अब तक कराए गए विकास कार्यों को लेकर अब सवाल खड़े होने लगे हैं। भारतीय किसान यूनियन (भानु) ने दोनों ग्राम पंचायतों में कराए गए कार्यों की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच कराने की रणनीति तैयार कर ली है। संगठन का आरोप है कि कई विकास कार्यों में गुणवत्ता और पारदर्शिता पर गंभीर संदेह है।भाकियू भानु के पदाधिकारियों ने कहा कि ग्राम पंचायतों में इंटरलॉकिंग सड़कों, सीसी रोड, नालियों, मनरेगा कार्यों, प्रधानमंत्री आवास, शौचालय निर्माण, वृक्षारोपण और पथ प्रकाश व्यवस्था सहित विभिन्न योजनाओं के तहत लाखों रुपये खर्च किए गए हैं। लेकिन जमीनी स्तर पर इन कार्यों की गुणवत्ता और वास्तविकता पर ग्रामीणों द्वारा लगातार

सवाल उठाए जा चुके हैं।लेकिन मामलों को ठंडे बस्ते में दबा दिया गया है।संगठन के नेताओं का कहना है कि कई स्थानों पर विकास कार्य अधूरे हैं, जबकि कुछ जगहों पर मानकों के विपरीत निर्माण होने की शिकायतें सामने आई हैं। लोगों का आरोप है कि सरकारी धन खर्च होने के बावजूद अपेक्षित स्तर का विकास नहीं दिखाई दे रहा।भाकियू भानु ने इस पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए ब्लॉक प्रशासन और जिला अधिकारियों को ज्ञापन सौंपने तथा उच्च स्तरीय जांच कराने की रणनीति बनाई है। संगठन ने साफ कहा है कि यदि जांच में अनियमितताएं सामने आती हैं तो दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की जाएगी।किसान यूनियन के पदाधिकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते निष्पक्ष जांच नहीं कराई गई तो संगठन किसानों और ग्रामीणों के साथ मिलकर बड़ा आंदोलन करने को मजबूर होगा। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं का पैसा जनता के हित के लिए है और उसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही या भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

भाकियू भानु का कहना है कि ग्रामीणों की शिकायतों को ध्यान में रखते हुए जल्द ही जिलाधिकारी और खंड विकास अधिकारी से मिलकर जांच की मांग की जाएगी, ताकि पंचायतों में हुए विकास कार्यों की वास्तविक स्थिति सामने आ सके।